OM - 14 - 2021 FINAL_Page 1 and 2 28/09/2021 5:11 PM Page 1

ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -23 अंक - 14 अक्टूबर -II-2021 (पाक्षिक) माउण्ट आबू Rs. 8.50

रक्षाबंधन के अवसर पर 'वर्तमान परिवेश में नैतिक मूल्यों की रक्षा' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार

लोकसभा अध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री हुए शामिल

नैतिक मूल्यों की शिक्षा देने में ब्रह्माकुमारीज़ का प्रयास सराहनीय : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला,नई दिल्ली

देश के विकास के लिए जाति, धर्म और समाज से ऊपर उठकर नैतिक मूल्यों को अपनाकर आगे बढ़ने में सभी की भागीदारी ज़रूरी है। इस दिशा में ब्रह्माकुमारीज़ का प्रयास सराहनीय है। यह संस्था न सिर्फ ग्रामीण बल्कि आदिवासी और जनजातीय क्षेत्रों में भी अच्छा काम कर रही है। युवा देश की बहुमूल्य सम्पत्ति हैं, इनकी ऊर्जा को सही दिशा देने की ज़रूरत है। नैतिक मूल्यों की शिक्षा दे, उन्हें देश के विकास में साझेदार बनाना बहुत बड़ी चुनौती है।

नैतिक मूल्यों की अवहेलना से पैदा हुई अनेक समस्याएं : माननीय मुख्यमंत्री भूपेश बघेल,छत्तीसगढ़

समाज में जितनी भी समस्याएं हैं, सब किसी न किसी नैतिक मूल्य की अवहेलना के कारण ही पैदा हुई हैं। आज ऐसे समाज का निर्माण करने की ज़रूरत है जिसमें हर व्यक्ति नैतिक मूल्यों को धारण किए हो। आज ब्रह्माकुमारीज़ जैसे मूल्यों की शिक्षा देने वाली संस्थाओं की आवश्यकता है। रक्षाबंधन, मन वचन कर्म से पवित्रता को अपनाने का संदेश देता है। अपनी बहन की रक्षा के साथ हमें दूसरों की बहन की रक्षा को भी अपना दायित्व समझना होगा।

रायपुर-छ.ग.। रक्षाबंधन के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'वर्तमान परिवेश में नैतिक मूल्यों की रक्षा' विषय पर आयोजित ऑनलाइन वेबिनार में ब्रह्माकुमारीज़ की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयन्ती दीदी ने कहा कि राजयोग मेडिटेशन से हमारे अंदर नैतिक मूल्यों की धारणा करने की शक्ति आती है। काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार आदि मनोविकार हमें तो दुःखी करते ही हैं साथ ही दूसरों को भी कष्ट पहुंचाते हैं। इन विकारों से बचने के लिए स्वयं को आत्मा समझें और परमात्मा की संतान समझें तो हमारे कर्मों में श्रेष्ठता आ जाएगी। ओ.आर.सी. गुरूग्राम की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी ने कहा कि रक्षाबंधन का अभिप्राय शारीरिक रक्षा नहीं है। यह त्योहार सिर्फ भाई-बहन तक सीमित नहीं है। इसके पीछे छिपे गहरे अर्थ को समझने की ज़रूरत है। अहमदाबाद से युवा प्रभाग की उपाध्यक्ष राजयोगिनी ब्र.कु. चंद्रिका दीदी ने कहा कि वर्तमान समय समाज में भौतिकता, प्रतिस्पर्धा और अनैतिकता का माहौल है। ऐसे समय पर केवल नैतिक मूल्यों द्वारा ही हमारी रक्षा हो सकती है। शान्ति सरोवर रिट्रीट सेंटर,रायपुर की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. कमला दीदी ने कहा कि संसार को सुखमय बनाने के लिए नैतिक और आध्यात्मिक मूल्य ज़रूरी हैं। इस समय परमपिता परमात्मा हमें गीता ज्ञान और राजयोग की शिक्षा देकर पाँच विकारों से हमारी रक्षा करते हैं। साथ ही दीदी ने राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया। मौके पर स्थानीय गायक स्वप्निल कुशतर्पण व कु. शारदा नाथ द्वारा राखी पर स्वरचित गीत एवं बाल कलाकारों द्वारा मनोरंजक सांस्कृति प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम संचालन ब्र.कु. रूचिका बहन ने किया।

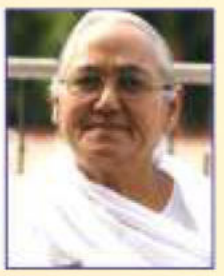

परमशिक्षक परमात्मा शिव उच्च ज्ञान दे कर रहे हमारा चरित्र निर्माण

पटना-खाजपुरा(बिहार)। ब्रह्माकुमारीज़ नन्दनपुरी,खाजपुरा सेवाकेन्द्र द्वारा शिक्षक दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान पटना की अध्यक्षा डॉ. वीना सिंह,बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी, आर्यभट्ट भौगोलिक अध्ययन केन्द्र की निदेशक डॉ. पूर्णिमा शेखर सिंह,पूर्व एम.एल.सी. एवं प्रिन्सीपल,वाणिज्य महाविद्यालय तथा निदेशक,यू.जी.सी. ह्युमन रिसोर्स डेवलपमेंट सेंटर पटना युनिवर्सिटी, चाणक्य लॉ विश्वविद्यालय पटना बिहार के अध्यक्ष प्रोफेसर एस.सी. रॉय, पटना विश्वविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अखंडानंद त्रिपाठी, जय प्रकाश नारायण विश्वविद्यालय छपरा के अध्यक्ष प्रोफेसर ब्र.कु. शंकर शाह तथा अन्य शिक्षकों को राजयोगिनी ब्र.कु. अंजू दीदी तथा ब्र.कु. रविन्द्र भाई ने संस्था की ओर से सम्मानित किया। राजयोगिनी ब्र.कु. अंजू दीदी ने बताया कि परमात्मा ही हमारा परमशिक्षक है। परमात्मा हमें उच्च ज्ञान इस समय दे रहे हैं। आज सम्पूर्ण विश्व में सुख, शांति, सद्भावना तथा सुसंस्कार दिखाई नहीं देते। परमात्मा शिव जो कि हमारे परमशिक्षक हैं वे हमें ये दिव्य संस्कार तब देते हैं जब विश्व में दुःख, अशांति, ईर्ष्या तथा बुराई बढ़ती है। परमपिता परमशिक्षक परमात्मा शिव इस धरा धाम पर आ चुके हैं और हमारे चरित्र निर्माण के कार्य कर रहे हैं।

देश में अमन चैन के लिए प्रेम सौहार्द को मिले बढ़ावा

गेट टूगेदर • ब्रह्माकुमारी संस्थान के शांतिवन में एम.एस. बिट्टा ने कहा कि आतंकवाद से भी खतरनाक है पॉलिटिकल टेररिज़्म

शांतिवन। अखिल भारतीय आतंकवाद विरोधी मोर्चा के अध्यक्ष मनिन्दर जीत सिंह बिट्टा के एक दिवसीय सिरोही जिले के दौरे के अंतर्गत ब्रह्माकुमारी संस्थान के शांतिवन में आयोजित गेट टूगेदर कार्यक्रम में बिट्टा ने लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि देश में अमन चैन के लिए प्रेम, सौहार्द को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इसके लिए प्रत्येक व्यक्ति को पहल करने की ज़रूरत है। आतंकवाद से हज़ारों-लाखों लोगों की जान चली जाती है, लेकिन पूरे विश्व में आतंकवाद से भी खतरनाक पॉलिटिकल टेररिज़्म है। उन्होंने कहा कि आज अफगानिस्तान में माताओं, बहनों और बच्चों की ज़िन्दगी खतरे में है। वहाँ प्रतिदिन खून की नदियां बह रही हैं और यह मानवता का नहीं बल्कि दानवता का एक जीता-जागता उदाहरण है। इससे उबरने के लिए सबको मिलकर प्रयास करने की ज़रूरत है।

कश्मीरी अब सही राह की ओर

मनिन्दर जीत सिंह बिट्टा ने कहा कि यदि कश्मीर से धारा 370 केन्द्र सरकार नहीं हटाती तो कश्मीर में भी हालात और खराब हो सकते थे। वहां आतंकवाद का और अधिक विस्तार हो जाता, लेकिन समय रहते इसको हटाने से कश्मीर के युवाओं में अब शिक्षा में, देश के विकास में रूचि बढ़ेगी। इस अवसर पर माउण्ट आबू के एसडीएम अभिषेक सुराणा, अहमदाबाद महादेवनगर सबज़ोन संचालिका ब्र.कु. चन्द्रिका दीदी, माउण्ट आबू के डीएसपी प्रवीण कुमार, माउंट आबू के थानाधिकारी देवेन्द्र सिंह, आबू रोड के थानाधिकारी बलभद्र सिंह, शहर के थानाधिकारी सरोज बैरवा समेत कई लोग उपस्थित रहे।

ब्रह्माकुमारी संस्थान के शांतिवन में आने पर मनिन्दर जीत सिंह बिट्टा का भव्य स्वागत किया गया। बिट्टा ने ब्रह्माकुमारी संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की स्मृति में बने प्रकाश स्तम्भ और दादी जानकी की स्मृति में बने शक्ति स्तम्भ पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद दादी जानकी व दादी हृदयमोहिनी के कमरे में कुछ समय मौन रहकर ध्यान-साधना की।